भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 3096

जिसका उत्तर 11 मार्च, 2026 को दिया जाना है

मिशन कोकिंग कोल के अंतर्गत प्रगति

3096. श्री अनुराग शर्माः

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मिशन कोकिंग कोल के अनुमोदन के बाद से इसके अंतर्गत भारत की घरेलू उत्पादन क्षमता के संबंध में प्राप्त प्रगति क्या है;

(ख) भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) और सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की विद्यमान पुरानी वाशरीज, जिनका इष्टतम उपयोग करने के लिए निर्धारित जीवनकाल समाप्त हो चुका है, के आधुनिकीकरण और नवीनीकरण की स्थिति क्या है;

(ग) क्या इस्पात उत्पादन के लिए घरेलू कोयले के मिश्रण को 30 प्रतिशत के लक्ष्य तक बढ़ाने की दिशा में प्रगति हुई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कोयला एवं खान राज्य मंत्री

(श्री सतीश चन्द्र दुबे)

(क) : मिशन कोकिंग कोल के शुभारंभ अर्थात अगस्त 2021 के बाद से भारत में कोकिंग कोल का उत्पादन इस प्रकार है:

वर्ष	कोकिंग कोल उत्पादन (मिलियन टन में)
2020-21	44.787
2021-22	51.702
2022-23	60.759
2023-24	66.821
2024-25	66.470

(ख) : बीसीसीएल और सीसीएल की पुरानी वाशरियों के आधुनिकीकरण और नवीनीकरण की स्थिति नीचे सारणीबद्ध की गई है -

क्रम संख्या	सहायक कंपनी	वाशरी (क्षमता- एमटीवाई)	वर्तमान स्थिति
1	सीसीएल	रजरप्पा वाशरी	**नवीनीकरण** का काम पूर्ण
2	बीसीसीएल	मूनिडीह कोल वाशरी	वास्तविक प्रगति: 91.00% वित्तीय प्रगति: 89.60%
3	बीसीसीएल	मधुबन वाशरी	**नवीनीकरण** के लिए अनुमान तैयार किया जा रहा है
4	सीसीएल	केडला वाशरी	**नवीनीकरण** के प्रस्ताव को सीसीएल में मंजूरी दी जा रही है

(ग) और (घ) : वर्तमान में, इस्पात बनाने के लिए भारत की कोकिंग कोल आवश्यकता का लगभग 90% आयात के माध्यम से पूरा किया जाता है, शेष मांग को घरेलू स्रोतों से पूरा किया जाता है।

इस्पात उत्पादन में घरेलू कोकिंग कोयले के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) गैर-विनियमित क्षेत्र (एनआरएस) लिंकेज नीलामी (इस्पात-कोकिंग उप-क्षेत्र) के तहत इस्पात क्षेत्र को कोकिंग कोल लिंकेज प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, कोयले की आपूर्ति ईंधन आपूर्ति करारों (एफएसए) के माध्यम से की जाती है और खरीदारों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एकल खिड़की मोड-एग्नोस्टिक (एसडब्ल्यूएमए) नीलामियों के माध्यम से कोयले की पेशकश की जाती है।

स्टाम्प चार्जिंग प्रौद्योगिकी कोक ओवन को टॉप-चार्ज बैटरी की तुलना में उच्च राख सामग्री वाले कोयले को समायोजित करने की अनुमति देती है, जिससे घरेलू कोकिंग कोयले का उच्च सम्मिश्रण अनुपात सक्षम होता है। इस्पात कंपनियों ने वित्त वर्ष 2030 तक 30 प्रतिशत तक सम्मिश्रण के माध्यम से स्वदेशी कोकिंग कोयले के अधिक उपयोग को सक्षम करने के लिए स्टैम्प-चार्ज कोक ओवन बैटरी की चरणबद्ध संस्थापना की योजना बनाई है।

*****